जीत का चौका लगाने से चूका भारत

फिलिप्स का तूफानी शतक, डफी की घातक गेंदबाजी, न्यूजीलैण्डने चौथा टी-२० ८७ रन से जीता

आकलैंड (एजेन्सियां)। प्लेयर आफ द मैच ग्लेन फिलिप्स (१०७) के तूफानी शतक तथा उनकी मिचेल ब्रेसवेल (६५) के साथ पांचवें विकेट के लिए की गयी ४० गेंद में ११५ रन की शतकीय साजेधारी के बाद तेज गेंदबाज जैकब डफी (४-२३) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत की न्यूजीलैण्ड ने पांच मैचों की टी-२० अंतरराष्ट्रीय शृंखला के चौथे मुकाबले में शुक्रवार को यहां भारत को ८७ रन से हरा कर पहली जीत दर्ज की। भारतीय टीम शुरुआती तीन मुकाबले जीतकर पहले ही शृंखला अपने नाम कर चुकी है। इस जीत के साथ न्यूजीलैण्ड ने शृंखला में हार का अंतर १-३ कर दिया। न्यूजीलैण्ड ने पहले २० ओवर में सात विकेट पर २५९ रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया फिर भारत को २० ओवर में नौ विकेट पर १७२ रन पर रोक दिया। न्यूजीलैण्ड का यह स्कोर टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है। भारत की यह हार टी-२० अन्तरराष्ट्रीय में रनों के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले टीम को २०२२ में इंगलैण्ड में १२५ रन से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। २६० रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत की दरकार थी, लेकिन तेज गेंदबाज डफी ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन (चार) और ईशान किशन (शून्य) को आउट कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारत ने पहले ओवर के बाद दो विकेट पर महज चार रन बनाये थे। इस शुरुआती झटके से टीम अंत तक नहीं उबर सकी। भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर (२२) और अभिषेक शर्मा (२७) के बीच ४६ रन की साझेदारी सबसे बड़ी रही। यह भारतीय बल्लेबाजी की नाकामी को बयां करने के लिए काफी थी। आमतौर पर आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक इस बार लय में नहीं दिखे। वह मैथ्यू फिशर की गेंद पर कवर में मिचेल सैंटनर को कैच थमा बैठे। अय्यर ने एडम मिल्ने की गेंद पर जगह बनाकर शाट खेलने की कोशिश की लेकिन १४३ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद उनके बल्ले को छकाती हुई सीधे स्टंप पर जा लगी। न्यूजीलैण्ड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए २४ रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने पावरप्ले के बाद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। भारत ने पावरप्ले में चार विकेट पर ६१ रन बनाये। नमन धीर ने दो छक्कों और दो चौकों की मदद से १३ गेंदों में २८ रन बनाये लेकिन उनके आउट होते ही भारत की हार लगभग तय हो गयी। तिलक वर्मा ने ३५ गेंदों में ३५ रन बनाकर टीम को आलआउट होने से बचाया। प्रिंस यादव १७ गेंदों में १८ रन बनाकर नाबाद रहे जिससे भारत का स्कोर २० ओवर में नौ विकेट पर १७२ रन हो सका। डफी ने चार तथा सेंटनर और फिशर ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले टास हार कर पहले खेलने उतरी न्यूजीलैण्ड के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। फिलिप्स ने ४९ गेंदों में ठह चौके, १० छक्के की मदद से १०७ रन की शतकीय पारी खेली, जबकि ब्रेसवेल ने महज २५ गेंदों में चार चौके, छह छक्के की मदद से ६५ रन बनायें। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए केवल ४१ गेंदों में ११५ रन की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजी की कलई खोल दी। टिम सीफर्ट और डेरिल मिचेल को तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पवेलियन भेजकर न्यूजीलैण्ड को शुरुआती झटके दिए। इसके बाद फिलिप्स और फिन एलन ने तीसरे विकेट के लिए ५९ रन जोड़कर पारी को संभाला। एलन और बेवन जैकब्स के जल्दी-जल्दी आउट होने से न्यूजीलैण्ड की रन गति कुछ धीमी पड़ती दिख रही थी लेकिन फिलिप्स और ब्रेसवेल ने यहां से पारी का रुख बदल दिया। फिलिप्स ने प्रिंस यादव के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए एक ओवर में एक छक्का और तीन चौके लगाये। इसके बाद उन्होंने नीतिश कुमार रेड्डी को भी निशाने पर लिया। ३१ गेंदों में अर्द्धशतक पूरा करने के बाद इस २९ वर्षीय बल्लेबाज ने १६वें ओवर में रेड्डी की गेंदों पर एक चौका और चार छक्के जड़कर ३२ रन बटोरे। ब्रेसवेल भी दूसरे छोर से भारतीय गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल के एक ओवर में लगातार तीन चौके और एक छक्का जड़ा। ब्रेसवेल ने महज १८ गेंदों में अपना अर्द्धशतक पूरा किया। भारत की ओर से मयंक यादव सबसे प्रभावशाली गेंदबाज रहे। उन्होंने १४० किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर बल्लेबाजों को परेशान किया। ब्रेसवेल ने हालांकि उनकी तेज गेंदों का भी बखूबी सामना किया और फ्लिक तथा स्कूप शाट के जरिए लगातार दो छक्के लगाकर गेंदबाजी के आंकड़े खराब किये। अर्द्धशतक पूरा करने के बाद ब्रेसवेल को प्रिंस ने पगबाधा आउट किया। फिलिप्स और ब्रेसवेल की आतिशी बल्लेबाजी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ११वें ओवर में चार विकेट पर ११२ रन बनाने वाली न्यूजीलैण्ड की टीम १७.२ ओवर में पांच विकेट पर २२७ रन तक पहुंच गयी। फिलिप्स ने तेज गेंदबाज अर्शदीप की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर महज ४६ गेंदों में अपना तीसरा टी-२० अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। उन्होंने अर्द्धशतक से शतक तक पहुंचने के लिए सिर्फ १५ गेंदें खेलीं। शतक पूरा करने के बाद फिलिप्स को रेड्डी ने आउट किया लेकिन तब तक न्यूजीलैण्ड मजबूत स्थिति में पहुंच चुका था। कीवी बल्लेबाजों ने अंतिम पांच ओवरों में ८५ रन बटोरकर भारत के सामने २६० रन का बड़ा लक्ष्य रखा।

मनीषा भनवाल ने विश्व चैम्पियन बन रचा इतिहास

कुश्ती : पिछड़कर जीती

अस्ताना (एजेन्सियां)। मनीषा भानवाला ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए कुश्ती विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनने का गौरव हासिल किया। वह सुशील कुमार के बाद विश्व चैम्पियन बनने वाली देश की दूसरी पहलवान हैं। सुशील ने २०१० में पुरुषों के ६६ किग्रा वर्ग का खिताब जीता था। मनीषा ने महिलाओं के ५९ किग्रा वर्ग के फाइनल में अमेरिका की अबीगैल नेट्टे को ८-६ से हराकर पीला तमगा अपने नाम किया। वह एक समय मुकाबले में ०-६ से पिछड़ रही थीं। उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए 'पैन अमेरिकन' चैंपियन को शिकस्त देकर भारतीय कुश्ती में महिला विश्व चैम्पियन के लंबे इंतजार को खत्म कर दिया। मनीषा की इस ऐतिहासिक जीत के साथ भारतीय महिला कुश्ती के लिए यह विश्व चैम्पियनशिप यादगार बन गयी। पहली बार इस प्रतियोगिता के एक ही आयोजन में तीन भारतीय महिला पहलवानों ने स्वर्ण पदक के मुकाबलों में जगह बनाई। नीलम सिरोही (५० किग्रा) और काजल धोचक (७६ किग्रा) को गुरुवार को अपने-अपने फाइनल में हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि तनु शर्मा ने कांस्य पदक जीता। इससे पहले मनीषा ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान की अल्तिन शगायेवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस जीत के साथ मनीषा ने अपने पिता सुरेश का सपना पूरा किया। उनके पिता चाहते थे कि बेटी एक दिन वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियन बने। १७ अप्रैल २०२२ को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था। महिला कुश्ती की पहली वर्ल्ड चैम्पियनशिप १९८७ में हुई थी। २०२१ में अंशु मलिक ने पहली बार किसी भारतीय महिला पहलवान के तौर पर वर्ल्ड चैंपियनशिप का फाइनल खेला। उन्होंने रजत जीता। मनीषा के कुश्ती में आने की शुरुआत उनके पिता सुरेश की वजह से हुई थी। २०१३ में उन्होंने बेटी को फिटनेस सुधारने के लिए कुश्ती के ट्रेनिंग कैंप में भेजा था। धीरे-धीरे कुश्ती मनीषा के लिए फिटनेस से आगे बढ़कर करियर बन गई। इस सफर में रोहतक का छोटूराम अखाड़ा और कोच मंदीप सिंह अहम रहे। मनीषा ने जापानी कोच कोसेई अकाइशी के मार्गदर्शन में भी अपनी कुश्ती की तकनीक पर काम किया। मनीषा के लिए २०२६ का साल आसान नहीं रहा। एशियन गेम्स में उन्होंने ५७ किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था। क्वार्टर फाइनल में उन्हें जापान की अकारी फुजिनामी से ०-३ से हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए उन्होंने ५९ किलोग्राम वर्ग चुना। इससे पहले वह ६२ किलोग्राम में भी खेल चुकी थीं। ५९ किलोग्राम वर्ग में मनीषा ने फाइनल तक पहुंचने के लिए लगातार तीन मुकाबले जीते। कनाडा की लॉरेंस ब्यूरेगार्ड को उन्होंने पिनफॉल से हराया। क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू को ६-० से मात दी। इसके बाद सेमीफाइनल में मेजबान कजाकिस्तान की अल्टिन शागायेवा को १०-० से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारत ने जापान को हरा लगायी जीत की हैटट्रिक

एशियाई चैम्पियंस ट्राफी हाकी

जालंधर (एजेन्सियां)। पांच बार की चैम्पियन भारत ने स्ट्राइकर अभिषेक नैन के दो गोल की मदद से शुक्रवार को यहां पुरुष एशियाई चैम्पियंस ट्राफी हॉकी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को ४-१ से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। भारत ने इससे पहले अपने शुरुआती दो मुकाबलों में बांगलादेश को १३-० से रौंदा था जबकि चीन को ५-२ से हराया था। वहीं जापान ने दक्षिण कोरिया को ३-२ और बांगलादेश को १-० से मात दी थी। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय टीम का अगला मुकाबला रविवार को मलयेशिया से होगा। वहीं जापान का सामना चीन से होगा। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत धीमी की। जापान ने शुरुआती मिनटों में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और दूसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। हालांकि केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से बाहर चला गया। भारतीय मिडफील्ड और फारवर्ड खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी साफ नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने अधिकांश जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों से ज्यादा सहयोग नहीं मिला। मनदीप सिंह की गैरमौजूदगी में भारतीय फारवर्ड लाइन भी प्रभावी नजर नहीं आई। मेजबान टीम शुरुआती मिनटों में गोल करने के पर्याप्त मौके नहीं बना सकी। फिर धीरे-धीरे भारतीय खिलाड़ियों ने लय हासिल की और ११वें मिनट में शानदार मैदानी गोल करके बढ़त बना ली। हार्दिक सिंह ने बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गेंद सर्किल के अंदर बाएं कोने के पास सुखजीत सिंह तक पहुंचाई। सुखजीत ने गेंद अभिषेक को पास की जिन्होंने अपने १५०वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में इसे आसानी से गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। पहले क्वार्टर के समाप्त होने से नौ सेकेंड पहले जापान ने लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए। दूसरे प्रयास के दौरान गेंद संजय के शरीर से टकराने के कारण जापान को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। शोता यामादा ने भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा को छकाते हुए स्कोर १-१ कर दिया। जापान ने इसके बाद मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों को आसानीसे गोल करनेका मौका नहीं दिया। उसकी 'मैन-टू-मैन मार्किंग' भी काफी प्रभावी रही। दोनों टीमें मध्यांतर तक १-१ की बराबरी पर थीं। जापान के मजबूत डिफेंसका अंदाजा इसी बातसे लगाया जा सकता है कि भारत पहले हाफ में एक भी पेनल्टी कार्नर हासिल नहीं कर सका। दूसरे हाफ की शुरुआत के तीन मिनट बाद हार्दिक सिंह ने सुखजीत के लिए शानदार मौका बनाया, लेकिन सर्किलके अंदरसे उनका शाट गोलपोस्ट के ऊपरसे निकल गया। अमित रोहिदास के बेहतरीन पास पर शिलानंद लाकड़ा के रिवर्स हिट को जापानी गोलकीपर ताकुमी कितागावा ने रोक लिया। तीन क्वार्टर के बाद स्कोर १-१ होने के कारण भारत ने अंतिम क्वार्टर में आक्रमक रुख अपनाया। टीम को ४६वें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार लो फ्लिक लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया और भारत को २-१ की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम पूरी तरह बदले हुए अंदाजमें नजर आई। फारवर्ड खिलाड़ियों ने जापान के गोलपोस्ट पर लगातार हमले किए। अभिषेक ने ५१वें मिनट में शानदार मैदानी गोल करके अपना दूसरा गोल दागा और भारतकी बढ़त ३-१ कर दी। मैच समाप्त होनेसे चार मिनट पहले हरमनप्रीत सिंहने बेहतरीन पास दिया जिसपर विष्णुकांत सिंहने शानदार मैदानी गोल करके भारतकी बढ़त ४-१ कर दी। इसके साथ ही भारत ने मुकाबला अपने नाम कर टूर्नामेंट में जीत की हैटट्रिक पूरी की।

हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं रहीं-अय्यर

आकलैंड (एजेन्सियां)। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैण्ड के खिलाफ चौथे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ८७ रन की करारी हार के बाद स्वीकार किया कि टीम की गेंदबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और उन्हें गलतियों से सबक लेकर शृंखला के अंतिम मुकाबले के लिए रणनीति पर फिर से विचार करना होगा। शृंखला पहले ही गंवा चुका न्यूजीलैंड इस मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी के दम पर सात विकेट पर २५९ रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। अय्यर ने मैच के बाद कहा हम गेंदबाजी में पीछे रह गए। पावरप्ले और खासकर तीसरे ओवर से उन्होंने लय हासिल कर ली। ग्लेन ने कुछ असाधारण शाट खेले। हमें अपनी गलतियों पर गौर करना होगा और यह देखना होगा कि वापसी कैसे की जाए। ईडन पार्क टी-२० क्रिकेट के सबसे छोटे मैदानों में से एक है और यहां की बाउंड्री (सीमा रेखा) की बनावट भी कुछ असामान्य है।

सिंधू सेमीफाइनल में, अनमोल से होगा सामना

सारब्रकेन (एजेन्सियां)। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को हाइलो ओपन सुपर ५०० बैडमिंटन टूर्नामेंट में जर्मनी की अमाली शुल्ज को सीधे गेम में हराकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। सिंधू के सामने अब सेमीफाइनल में हमवतन अनमोल खरब की चुनौती होगी। अनमोल ने एक कड़े मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को तीन गेम में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस तरह महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में दोनों भारतीय खिलाड़ियों के आमने-सामने होने से भारत का फाइनल में एक स्थान पक्का हो गया है। सिंधू और अनमोल दोनों की नजरें खिताबी मुकाबले में जगह बनाने पर होंगी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने हाल में फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहने के बाद यहां भी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने शुल्ज को महज २७ मिनट में २१-१२, २१-१० से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। भारतीय खिलाड़ीने पहले गेममें दमदार शुरुआत की और अपनी बढ़त कायम रखते हुए इसे २१-१२ से जीत लिया। दूसरे गेममें भी उन्होंने इसी लयको बरकरार रखा और शुल्जको वापसीका कोई मौका दिए बिना २१-१० से गेम और मैच अपने नाम कर लिया। इससे पहले अनमोलने उन्नति हुड्डा को २१-१७, १८-२१, २१-१६ से शिकस्त दी।

काम आया आईपीएल का अनुभव-फिलिप्स

आकलैंड (एजेन्सियां)। न्यूजीलैण्ड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने शुक्रवार को यहां भारत के खिलाफ चौथे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में १०७ रन की पारी खेलने के बाद मौजूदा पांच मैच की शृंखला में अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन का श्रेय आईपीएल से मिली सीख को दिया। फिलिप्स इस शृंखला में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने चार मैच में ९२ की औसत से २७६ रन बनाये हैं जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। मैच के बाद फिलिप्स ने कहा आईपीएल अपने आप में एक अलग तरह की प्रतियोगिता है। वहां आठ विदेशी खिलाड़ियों में से केवल चार को ही अंतिम एकादश में जगह मिलती है जिससे प्रतिस्पर्धा काफी कठिन हो जाती है। अगर आप मैदान पर उतरकर असाधारण प्रदर्शन नहीं करते हैं तो आपकी जगह लेनेके लिए हमेशा कोई दूसरा खिलाड़ी तैयार रहता है। फिलिप्स का आईपीएल २०२६ में गुजरात टाइटंस के लिए प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था।

बेंच पर ही बैठे रह सकते हैं कुलदीप और वरुण

-साइराज बाहुतुले

आकलैंड (एजेन्सियां)। भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने कहा है कि अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि न्यूजीलैण्ड के खिलाफ जारी टी-२० अंतरराष्ट्रीय शृंखला में टीम का हिस्सा होने के बावजूद उन्हें खेलने का मौका शायद नहीं मिले क्योंकि टीम प्रबंधन फिलहाल अपने पसंदीदा गेंदबाजी संयोजन के साथ ही उतर रहा है। दोनों स्पिनरों को चौथे टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भी अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा और न्यूजीलैण्ड ने सात विकेट पर २५९ रन बनाये और फिर भारतीय टीम ८७ रन से मुकाबला हार गयी। हालांकि भारत पांच मैचों की शृंखला में ३-१ की अजेय बढ़त बना चुका है और एक मुकाबला बाकी है। बहुतुले ने कहा कि दोनों खिलाड़ी टीम चयन की परिस्थितियों को समझते हैं, पर्दे के पीछे लगातार मेहनत कर रहे हैं और वे मौका मिलने पर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मैच के बाद बहुतुले ने कहा मेरे हिसाब से सबसे अहम बात यह है कि वे (कुलदीप और वरुण) खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन टीम को जिस तरह के गेंदबाजी संयोजन की जरूरत है, उसे समझना भी जरूरी है। हो सकता है कि उन्हें खेलने का मौका नहीं मिले। वे इस बात से अच्छी तरह परिचित हैं। उन्होंने कहा इसके बावजूद वे लगातार अभ्यास और मेहनत कर रहे हैं। जब भी टीम को उनकी जरूरत होगी वे खेलने के लिए तैयार रहेंगे। मेरा मानना है कि यह सिर्फ उन्हें मौका देने की बात है। टीम की स्पिन गेंदबाजी रणनीति पर बात करते हुए बहुतुले ने कहा कि गेंदबाजों को आक्रामक गेंदबाजी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मैच की परिस्थितियों के अनुसार रक्षात्मक गेंदबाजी करना भी आक्रामक रणनीति का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने पावरप्ले में अक्षर पटेल की गेंदबाजी क्षमता और अलग-अलग ओवरों में जिम्मेदारी निभाने की उनकी काबिलियत की भी सराहना की।

वाराणसी क्लब और इम्पीरियल के बीच खिताबी संघर्ष

सेवन ए साइड हाकी

वाराणसी। इम्पीरियल क्लब और वाराणसी क्लब के बीच सरदार बल्लभ भाई पटेल मिश्रित सेवन ए साइड हाकी प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला खेला जायेगा। शुक्रवार को खेले गये पहले सेमी फाइनल मुकाबले में इम्पीरियल क्लब ने जहां स्टार क्लब को कड़े संघर्ष में ३-२ से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई, वहीं वाराणसी क्लब ने रायल क्लब को एकतरफा अंदाज में ४-१ से शिकस्त दे खिताबी दौड़ में स्थान सुरक्षित किया। लालपुर स्थित डाक्टर भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल में इम्पीरियल क्लब और स्टार क्लब के बीच खेला गया पहला सेमी फाइनल मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। आक्रमण-प्रत्याक्रमण के बीच १०वें मिनट में मोहित गौड़ ने आंचल के पास पर गोल कर इम्पीरियल क्लब को १-० की अग्रता दिला दी। दो मिनट बाद ही मृत्युंजय ने एकल प्रयास से गोल कर स्टार क्लब को १-१ की बराबरी दिला दी। २४वें मिनट में गौरव गुप्त ने गेंद को जाल में उलझा इम्पीरियल को २-१ से आगे कर दिया। चार मिनट बाद वंश पटेल ने गोल कर स्टार क्लब को फिर २-२ से बराबरी पर ला खड़ा किया। खेल खत्म होने से दो मिनट पहले आंचल ने गोल कर इम्पीरियल को ३-२ से जीत दिला दी। उधर अजेय वाराणसी क्लब को दूसरे सेमीफाइनल में रायल क्लब को हराने में कोई मशक्कत नही करनी पड़ी। मोनिका गुप्त ने आठवें मिनट में गोल कर वाराणसी को १-० से आगे किया जबकि १५वें मिनट में शिवांश ने गोल कर रायल को १-१ की बराबरी दिला दी। प्राची के गोल से वाराणसी ने फिर बढ़त हासिल कर ली। २८वें मिनट में निकिता और ३२वें मिनट में करन यादव ने गोल कर वाराणसी की ४-१ की जीत पर मुहर लगा दी।

अन्वय द्रविड, आर्यवीर सहवाग अंडर-१९ एशिया कप टीम में

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग को अंडर-१९ एशिया कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारतीय टीम में शामिल किया गया है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) पुरुष अंडर-१९ एशिया कप का आयोजन एकदिनी प्रारूप में पांच से १४ नवम्बर तक ओमान की राजधानी मस्कट में किया जायेगा। कर्नाटक के अन्वय और दिल्ली के आर्यवीर ने हाल ही में संपन्न वीनू मांकड़ ट्राफी में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। सत्रह साल के अन्वय ने इस महीने की शुरुआत में अंडर-१९ प्रतियोगिता में गुजरात के खिलाफ महज १०० गेंदों पर १५१ रन की विस्फोटक पारी खेली थी। उन्नीस वर्षीय आर्यवीर सहवाग ने भी वीनू मांकड़ ट्राफी में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विजयनगरम में चंडीगढ़ के खिलाफ १४३ गेंदों पर १७३ रन की तूफानी पारी खेली थी।

वाराणसी मण्डल आसान जीतके साथ सेमीफाइनलमें

प्रदेश स्तरीय महिला हैण्डबाल

वाराणसी। राष्ट्रीय खिलाड़ियों से सुसज्जित वाराणसी मण्डल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रयागराज मण्डल को १७-८ से पराजित कर झाँसी में खेली जा रही प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हैण्डबाल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वाराणसी मण्डल की टीम ने शुरू से ही तेज खेल का प्रदर्शन किया। राइट विंग से आक्रमण की शुरूआत स्नेहा और काजल ने की। उन्होंने रनिंग शाट और फालिंग शाट से गोल दागे। वाराणसी ने लगातार आक्रमण जारी रखा, जिससे देखते ही देखते प्रयागराज मण्डल पर चार गोल हो गये। मध्यांतर तक वाराणसी मण्डल की टीम १०-६ से आगे रही। दूसरे हाफ में बदली रणनीति के साथ उतरी वाराणसी मण्डल के लिए प्रीति यादव और रेशमा ने आक्रमण की कमान संभाली। दोनों ने रनिंग शाट और स्लाइडिंग शाट से गोल किये। इस दौरान प्रयागराज मण्डल की खिलाड़ियों ने भी हमले बोले और दो गोल करने में सफल रहीं। लम्बी सीटी बजने तक वाराणसी मण्डल की टीम १७-८ से आगे रही। विजेता टीम के लिए काजल, रेशमा, स्नेहा, सताक्षी और प्रीति यादव ने तीन-तीन तथा प्रीति पटेल ने दो गोल किये।

जल्द शुरु करुंगा अभ्यास-नीरज

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। दो बार के ओलम्पिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि उनकी टखने की चोट में काफी सुधार हुआ है और वह अगले कुछ सप्ताह में फिर से अभ्यास शुरू करने और 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने की योजना बना रहे हैं। चोपड़ा चोटिल होने के कारण जापान में एशियाई खेलों में भाग नहीं ले पाए थे। भाला फेंक के इस सुपरस्टार ने २०२१ में तोक्यो ओलम्पिक में स्वर्ण और २०२४ की पेरिस ओलम्पिक में रजत पदक जीता था। वह इस साल अगस्त में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे। इस कारण वह डायमंड लीग फाइनल्स में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा कि जाने-माने हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर दिनशा परदीवाला से परामर्श लेने के बाद अब उनकी हालत काफी बेहतर हुई है। चोपड़ा ने कहा मेरी चोट अब काफी बेहतर है। पहले डेढ़ महीने में मुझे कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल — शनिवार, 31 अक्टूबर 2026

- **मेष-** दिनचर्या व्यवस्थित, निर्णय लाभप्रद, मानसिक शांति, परोपकार में रुचि, यात्रा सार्थक।
- **वृषभ-** आरोग्य सुख, व्यवसायिक प्रगति, स्थान परिवर्तन, आमोद-प्रमोद, लाभ का सुयोग।
- **मिथुन-** आत्मबल में वृद्धि, जनकल्याण में रुचि, आपसी सौहार्द, यात्रा का प्रसंग, धर्म में आस्था।
- **कर्क-** व्यवसाय में असफलता, अड़चनें, अशांति, मनमुटाव, द्रव्य की क्षति, व्यर्थ भ्रमण।
- **सिंह-** अनुकूल घटनाएं घटित, योजनापूर्ति, आत्मिक शांति, वैवाहिक सुख, धर्म में आस्था।
- **कन्या-** मन प्रसन्न, आर्थिक सुधार, महत्वपूर्ण उपलब्धि, शैक्षिक सफलता, मौजमस्ती में व्यय।
- **तुला-** अभिलाषा की पूर्ति, परेशानियाँ कम, परोपकार की प्रवृत्ति, सम्बन्ध अनुकूल, सौहार्द।
- **वृश्चिक-** मानसिक कष्ट, कार्यों में बाधा, विचारों में उग्रता, अनावश्यक खर्च, विश्वासघात।
- **धनु-** वातावरण मनोनुकूल, जीवन सुखमय, आत्मिक शांति, इच्छा की पूर्ति, यात्रा संतोषजनक।
- **मकर-** निराशा का समापन, हर्षोल्लास, मनोविनोद के अवसर, बुद्धि का विकास, धनलाभ।
- **कुम्भ-** पारिवारिक दायित्व की पूर्ति, दाम्पत्य सुख, शत्रु परास्त, धन संचय, यात्रा संतोषजनक।
- **मीन-** योजना अधूरी, आर्थिक असंतोष, अनावश्यक खर्च, विरोधियों प्रभावी, राजकीय उलझनें।

आज है जिनका जन्मदिन — 31 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 31 का मूलांक 4 का स्वामी ग्रह राहु एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। व्यवधान आपके जीवन का प्रमुख अंग होगा। जीवन उथल-पुथल से परिपूर्ण रहेगा। किसी भी कार्य को नये एवं रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे। जीवन में अनेकों बार परिवर्तन करने पड़ेंगे। किसी भी गलत कार्य या बात के प्रबल विरोधी होंगे। उग्रता की स्थिति में अपना मानसिक सन्तुलन खो बैठेंगे और स्वयं का ही नुकसान कर लेंगे। छोटी-छोटी समस्याओं को अधिक महत्व नहीं देंगे। अपना कार्य करने के लिए दूसरों को भी हानि पहुँचाने से पीछे नहीं हटेंगे। कोई भी आपके मन की बात नहीं जान पायेगा। भोग-विलासिता व मौजमस्ती के निमित्त अधिक व्यय करेंगे। इष्ट देवी-देवता की अर्चना अवश्य करें। दैनिक जीवन में चित्र विचित्र रंगों का प्रयोग अधिकतम करें। काले रंग की वस्तुओं का दान भी करें। अपनी परम्परा के अनुसार धर्म का पालन अवश्य करें। हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें। गो सेवा नित्य करें। सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ रां राहवे नमः	मास	: फरवरी, अक्टूबर एवं अक्टूबर
व्रत	: शनिवार	वर्ष	: 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
दिन	: सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	: काला, भूरा एवं स्लेटी
दिनांक	: 4, 13, 22, 31	जन्मरत्न	: गोमेद उपरत्न : काला अकीक
अंक	: 1, 2, 7	जड़ी	: सफेद चन्दन की जड़ दिशा : आग्नेय

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—21 मार्च से 28 अक्टूबर, 10 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र

13	8	15
14	12	10
9	16	11

सुडोकू ५०००

			5		8			
				7	6			
	1							3
			4					9
6		5		1				
8								
						8	6	
						7		
	4			2				

हल ४०९९

7	3	6	8	2	9	5	1	4
8	2	4	1	5	7	9	6	3
9	5	1	6	4	3	2	8	7
2	4	8	5	7	1	6	3	9
1	6	3	9	8	4	7	5	2
5	9	7	3	6	2	1	4	8
6	7	5	2	3	8	4	9	1
3	1	2	4	9	5	8	7	6
4	8	9	7	1	6	3	2	5